मध्य भारत के भेलसा जिले में भूमि का कृष्यकरण

***२७३. श्री राम सहाय** : क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मध्यभारत के भेलसा जिले में केन्द्रीय ट्रैक्टर संगठन का कार्य कब से चल रहा है ; और

(ख) उक्त जिले में अब तक कितनी जोती हुई तथा परती भूमि को किन किन वर्षों में कृषि योग्य बनाया गया है ?

†[LAND RECLAMATION IN BHXLSA DISTRICT IN MADHYA BHARAT

*273. SHRI RAM SAHAI: WiH the Minister for FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state:

(a) since when the Central Tractor Organisation has been operating in Bhilsa District in Madhya Bharat; and

(b) the area of cultivated and fallow land so far reclaimed in that District and the years in which the reclamation was made?]

†[THE MINISTER FOR AGRICULTURE (DR. P. S. DESHMUKH): (a) Since the 1948-49 operational season.

कृषि मंत्री (डा० पी० एस० देशमुख) : (क) सन् १९४८–४९ के ट्रैक्टर चलाने के मौसिम से ।

(ख) सभा की टेबल पर एक विवरण रख दिया गया है । (देखिये परिशिष्ट १३, अनुपत्र संख्या ५९)

(b) A statement is placed on the Table of the Sabha. (See Appendix XIII, Annexure No. 59.)]

श्री राम सहाय : क्या आप यह बताने की कृपा करेंगे कि जो जमीन आपने परती से आबाद की है और जो जमीन मजरूआ से आबाद की है उसके रकबे में क्या कुछ अन्तर है ? और परती की आराजी का रकबा क्या है ?

डा० पी० एस० देशमुख : आराजी की निस्बत तो मुझे मालूम नहीं है और दूसरा सवाल भी मैं समझ नहीं पाया हूं ।

श्री राम सहाय : क्या आप यह बता सकेंगे कि वहां के किसान यह चाहते थे कि जो जमीन परती है उसको केवल आबाद किया जाय और जो मजरूआ है वह आबाद न की जाय ?

डा० पी० एस० देशमुख : जी नहीं । यह योजना तो काफी सालों से चली हुई है और किसानों की और स्टेट गवर्नमेंट की भी ख्वाहिश थी कि न केवल परती जमीन अच्छी की जाय बल्कि जिस जमीन में कांस है उसको भी अच्छा किया जाय ।

श्री राम सहाय : क्या आपको यह जानकारी है कि जो परती आराजी किसान आबाद करना चाहते थे, वह आपके पास साधन न होने के कारण आबाद न हो सकी ?

डा० पी० एस० देशमुख : जहां तक मेरे पास इसकी इंफार्मेशन है, सब तरह की जमीन आबाद हो रही है जिसमें काश्त हो सकती है ।

SHRI MAHESWAR NAIK: May *I* know, Sir, what is the total quantity of land so far brought under cultivation by the Central Tractor Organisation?

DR. P. S. DESHMUKH: 15 lakhs of acres.

श्री राम सहाय : क्या आप यह बता सकेंगे कि इसके रेट्स कब कब और क्या क्या आपने निश्चित किए हैं ?

† English translation.

डा० पी० एस० देशमुख : शुरू शुरू में तो बहुत भारी रेट थे, ५२ रु० से लेकर ५५ रु० तक। मगर अब ३५ रु० रेट कर दिया गया है। इसमें से भी काश्तकारों से केवल ३० रु० लिये जायेंगे, बाकी ५ रु० स्टेट गवर्नमेन्ट सबसिडी के तौर पर देगी।

श्री राम सहाय : क्या आप यह बता सकेंगे कि जिनकी जमीन को आपने आबाद किया है क्या उनको कोई खास रिलीफ मिल रही है ?

डा० पी० एस० देशमुख : जब गल्ले के भाव कुछ कम हो गए थे तब कुछ शिकायत थी। मगर अब तो अच्छे भाव हैं और अच्छी फसल वहां पैदा होती है। मैं समझता हूं कि उनकी शिकायत अब दूर हो गई है।

INTEGRAL COACH FACTORY AT PERAMBUR

*274. SHRI M. VALIULLA: Will the Minister for RAILWAYS be pleased to state:

(a) the number of railway coaches built at the Integral Coach Factory Perambur from the 1st October 1955 up-to-date; and

(b) how many coaches are expected to be built in that factory in 1956-57?

THE DEPUTY MINISTER TOR RAILWAYS AND TRANSPORT (SHRI O. V. ALAGESAN): (a) 12 unfurnished coaches up to 31st March 1956.

(b) 60 unfurnished coaches.

SHRI M. VALIULLA: Is it the idea of the Government to switch on to the integral coaches or to go on with our old coaches also?

SHRI O. V. ALAGESAN: We have just now started manufacturing these integral type coaches. Production began in last October and the full production target will be reached in about four years' time. Originally five years' time was fixed for reaching the full target of production. Now, it is hoped to be reached within four years. In the meantime as we need a large number of coaches, we will have other coaches also built in this country and we will have to use them.

WAITING ROOMS AND WAITING HALLS AT RAILWAY STATIONS

*275. SHRI M. VALIULLA: Will the Minister for RAILWAYS be pleased to state:

(a) the expenditure incurred on the construction of new waiting rooms and waiting halls at railway stations in each railway zone in each year from 1953-54 onwards; and

(b) how many of them were constructed for third class passengers?

THE DEPUTY MINISTER FOB RAILWAYS AND TRANSPORT (SHRI O. V. ALAGESAN): (a) and (b). A statement is laid on the Table of the House.

STATEMENT

Expenditure incurred on construction of waiting rooms ond waiting halls at railway *stations and their* number for *third class passengers.*

(a) Railway	Year	Expenditure Rs.
N. Railway	1953-54	1,76,000
	1954-55	1,65,000
	1955-56	2,06,000
E. Railway	1953-54	1,66,524
	1954-55	3,02,983
	1955-56	24,331
W. Railway	1953-54	4,41,280
	1954-55	4,30,210
	1955-56	4,81,300
S. Railway	1953-54	2,54,861
	1954-55	2,05,938
	1955-56	1,17,013
C. Railway	1953-54	Nil
	1954-55	3,64,733
	1955-56	1,98,127
S.E. Railway	1953-54	1,62,000
	1954-55	24,000
	1955-56	74,000
N.E. Railway	1953-54	3,42,000
	1954-55	3,48,000
	1955-56	2,88,000